

Test Booklet No.  
परीक्षा पुस्तिका संख्या

This Booklet contains 64 pages.

**AK15-II**  
**PAPER II / प्रश्न-पत्र II**

Test Booklet Code  
परीक्षा पुस्तिका संकेत

इस पुस्तिका में 64 पृष्ठ हैं।

MAIN TEST BOOKLET / मुख्य परीक्षा पुस्तिका

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।

Read carefully the Instructions on the Back Cover of this Test Booklet.

इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।



### INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

### परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- The OMR Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars on **Side-1** and **Side-2** carefully with **blue / black** ball point pen only.
- The test is of **2½ hour** duration and consists of **150** questions. There is no negative marking.
- Use **Blue/Black Ball Point Pen only** for writing particulars on this page / marking responses in the Answer Sheet.
- The CODE for this Booklet is **E**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet is the same as that on this Booklet. Also ensure that your Test Booklet No. and Answer Sheet No. are the same. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of both the Test Booklet and the Answer Sheet.
- This Test Booklet has **five** Parts, I, II, III, IV and V, consisting of **150** Objective Type Questions, and each carries 1 mark :  
Part I : Child Development and Pedagogy (Q. Nos. 1 – 30)  
Part II : Mathematics and Science (Q. Nos. 31 – 90)  
Part III : Social Studies / Social Science (Q. Nos. 91 – 120)  
Part IV : Language I – (English/Hindi) (Q. Nos. 121 – 150)  
Part V : Language II – (English/Hindi) (Q. Nos. 151 – 180)
- Candidates have to do questions 31 to 90 **EITHER** from Part II (Mathematics and Science) **OR** from Part III (Social Studies / Social Science)
- Part IV contains 30 questions for Language I and Part V contains 30 questions for Language II. In this Test Booklet, only questions pertaining to English and Hindi language have been given. **In case the language(s) you have opted for as Language I and/or Language II is a language other than English or Hindi, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
- Candidates are required to attempt questions in Part V (Language II) in a language other than the one chosen as Language I (in Part IV) from the list of languages.
- Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
- The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.
- OMR उत्तर पत्र इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर पत्र निकाल कर पृष्ठ-1 एवं पृष्ठ-2 पर ध्यान से केवल नीले / काले बॉल पॉइंट पेन से विवरण भरें।
- परीक्षा की अवधि 2½ घंटे है एवं परीक्षा में 150 प्रश्न हैं। कोई ऋणात्मक अंकन नहीं है।
- इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए केवल नीले / काले बॉल पॉइंट पेन का प्रयोग करें।
- इस पुस्तिका का संकेत है **E**. यह सुनिश्चित कर लें कि इस पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 पर छपे संकेत से मिलता है। यह भी सुनिश्चित कर लें कि परीक्षा पुस्तिका संख्या और उत्तर पत्र संख्या मिलते हैं। अगर यह भिन्न हों तो परीक्षार्थी दूसरी परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
- इस परीक्षा पुस्तिका में पाँच भाग I, II, III, IV और V हैं, जिनमें 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, तथा प्रत्येक 1 अंक का है :  
भाग I : बाल विकास व शिक्षाशास्त्र (प्रश्न सं. 1 – 30)  
भाग II : गणित व विज्ञान (प्रश्न सं. 31 – 90)  
भाग III : सामाजिक अध्ययन / सामाजिक विज्ञान (प्रश्न सं. 91 – 120)  
भाग IV : भाषा I – (अंग्रेज़ी / हिन्दी) (प्रश्न सं. 121 – 150)  
भाग V : भाषा II – (अंग्रेज़ी / हिन्दी) (प्रश्न सं. 151 – 180)
- परीक्षार्थियों को प्रश्न 31 से 90 या तो भाग II (गणित व विज्ञान) या भाग III (सामाजिक अध्ययन/सामाजिक विज्ञान) से करने हैं।
- भाग IV में भाषा I के लिए 30 प्रश्न और भाग V में भाषा II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं। यदि भाषा I और/या भाषा II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) अंग्रेज़ी या हिन्दी के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।
- परीक्षार्थी भाग V (भाषा II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा I (भाग IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।
- रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
- सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

Name of the Candidate (in Capitals) : \_\_\_\_\_

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : \_\_\_\_\_

Roll Number (अनुक्रमांक) : in figures (अंकों में) \_\_\_\_\_

: in words (शब्दों में) \_\_\_\_\_

Centre of Examination (in Capitals) : \_\_\_\_\_

परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : \_\_\_\_\_

Candidate's Signature : \_\_\_\_\_

Invigilator's Signature : \_\_\_\_\_

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : \_\_\_\_\_

निरीक्षक के हस्ताक्षर : \_\_\_\_\_

Facsimile signature stamp of Centre Superintendent \_\_\_\_\_



निर्देश : गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र.सं. 91 से 99) में सबसे उचित विकल्प को चुनिए।

पर्यावरण के प्रति गहरी संवेदनशीलता प्राचीनकाल से ही मिलती है। अथर्ववेद में लिखा है – भूमि माता है, हम पृथ्वी की संतान हैं। एक स्थान पर यह भी लिखा है कि हे पवित्र करने वाली भूमि, हम कोई ऐसा काम न करें जिससे तेरे हृदय को आघात पहुँचे। हृदय को आघात पहुँचाने का यहाँ अर्थ है पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र के साथ क्रूर छेड़छाड़। हमें प्राकृतिक संसाधनों के अप्राकृतिक और असीमित दोहन से बचना होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व के तमाम राष्ट्र जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरे को लेकर आपसी मतभेद भुला दें और अपनी-अपनी ज़िम्मेदारी ईमानदारी से निभाएँ, ताकि समय रहते सर्वनाश से उबरा जा सके। विश्वविनाश से निपटने के लिए सामूहिक एवं व्यक्तिगत प्रयासों की ज़रूरत है। इस दिशा में आन्दोलन हो रहे हैं। अरण्य-रोदन के बदले अरण्य-संरक्षण की बात हो रही है, सचमुच हमें आत्मरक्षा के लिए पृथ्वी की रक्षा करनी होगी। भूमि माता है और हम उसकी संतान – इस कथन को चरितार्थ करना होगा।

91. 'हम पृथ्वी की संतान हैं' – 'हम' से तात्पर्य है

- (1) संसार के सभी लोग
- (2) एक खास देश के लोग
- (3) हम भारतवासी
- (4) हम सभी नागरिक

92. 'पर्यावरण' का सन्धि-विच्छेद होगा

- (1) पर् + आवरण
- (2) परि + आवरण
- (3) परि + यावरण
- (4) पर् + यावरण

93. हम प्रकृति के हृदय को आघात पहुँचाते हैं यदि हम

- (1) पारिस्थितिकी से छेड़छाड़ करते हैं
- (2) संसाधनों का दोहन करते हैं
- (3) पृथ्वी से बुरा व्यवहार करते हैं
- (4) पृथ्वी की खुदाई करते हैं

94. 'सर्वनाश से उबरा जा सके' – 'उबरा' का अर्थ है

- (1) हटा
- (2) निपटा
- (3) तैरा
- (4) बचा

95. गद्यांश में 'चरितार्थ करना' का उल्लेख है। इसका आशय है

- (1) बहस करना
- (2) अपनाना
- (3) चरित्र-चित्रण करना
- (4) सिद्ध करना

96. विश्व के सभी देशों से अपेक्षा की गई है कि वे

- (1) पर्यावरण की रक्षा करें
- (2) व्यक्तिगत प्रयास करें
- (3) मिलजुल कर कार्य करें
- (4) अपने उत्तरदायित्व ईमानदारी से निभाएँ

97. 'अरण्य-संरक्षण' का अर्थ है

- (1) वनों की रक्षा
- (2) प्रकृति की रक्षा
- (3) पर्यावरण की रक्षा
- (4) सभी की रक्षा

98. जो सम्बन्ध माँ और उसकी संतान में है, वही सम्बन्ध है

- (1) पृथ्वी और पृथ्वी-निवासियों में
- (2) धरती और सभी देशों में
- (3) प्रकृति और पर्यावरण में
- (4) माता और पुत्र में

99. 'क्रूर' शब्द है

- (1) सर्वनाम
- (2) विशेषण
- (3) संज्ञा
- (4) क्रिया

**निर्देश :** कविता की पंक्तियाँ पढ़कर पूछे गए प्रश्नों (प्र.सं. 100 से 105) में सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प चुनिए।

चमकीली है सुबह आज की आसमान में  
निश्चय कल की सुबह और चमकीली होगी  
बेचैनी की बाँहों में कल फूल खिलेंगे  
घुटन गमकती साँसों की आवाज़ सुनेगी।  
कुंठाओं की टहनी छिन्न-भिन्न होगी फिर  
आशा अपने हाथों से अब कुसुम चुनेगी,  
चटकीली है आज चहकती हुई चाँदनी  
कल चंदा की किरण और चटकीली होगी  
खुल जाएँगे अब सबके दिल के दरवाजे  
आँखें अपनी आँखों को पहचान सकेंगी।

100. काव्यांश में 'चमकीली सुबह' का आशय है

- (1) अंधकार समाप्ति के बाद आशाभरी सुबह
- (2) सफ़ेद कोहरे से चमकती सुबह
- (3) प्रातःकाल का समय
- (4) सूर्य की किरणों से चमकती सुबह

101. कवि को विश्वास है कि

- (1) सुबह का समय सदा सुहाना होता है
- (2) सुबह का सूर्य कष्ट दूर करता है
- (3) आज की सुबह सबसे अच्छी होगी
- (4) कल की सुबह आज से अच्छी होगी

102. 'कुंठाओं की टहनी छिन्न-भिन्न होगी' से तात्पर्य है

- (1) दुख की अनुभूति खत्म होगी
- (2) निराशा दूर होगी
- (3) मन का दुख दूर होगा
- (4) पुरानी डाल टूट जाएगी

103. 'चाँदनी' का विशेषण है

- (1) चटकीली
- (2) गमकती
- (3) महकती
- (4) तड़पती

104. 'दिल के दरवाजे खुल जाएँगे' का क्या अर्थ है ?

- (1) आपस में बातें करेंगे
- (2) कोई बात छिपी नहीं रहेगी
- (3) हृदय से हृदय मिलेंगे
- (4) दिलों में सबके प्रति मित्रता रहेगी

105. 'कुसुम' का पर्यायवाची शब्द नहीं है

- (1) कमल
- (2) पुष्प
- (3) सुमन
- (4) प्रसून



**निर्देश :** नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सबसे उचित विकल्प चुनिए ।

**106.** उच्च प्राथमिक स्तर पर समझकर पढ़ने के संदर्भ में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है

- (1) तीव्र गति से पढ़ जाना
- (2) लिखित सामग्री में शब्दों की पहचान करना
- (3) किसी लिखित सामग्री का निहितार्थ समझना
- (4) बोल-बोलकर शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ना

**107.** उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों की हिन्दी भाषा की क्षमता के आकलन में प्रकार्यपरक पक्ष पर बल देने का आशय है

- (1) भाषा-प्रयोग पर बल देना
- (2) भाषा-प्रयोग का पक्ष बताना
- (3) भाषा के कार्यों की सूची बनाना
- (4) भाषा के कार्यों को बढ़ावा देना

**108.** उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति का सतत आकलन करने के लिए सर्वाधिक उचित तरीका है

- (1) प्रश्न पूछना
- (2) प्रतिक्रिया व्यक्त करना
- (3) परिचर्चा
- (4) उपर्युक्त सभी

**109.** व्याकरण की समझ को संदर्भपरक प्रश्नों के माध्यम से आँकना

- (1) पूर्णतः उचित है
- (2) पूर्णतः असंभव है
- (3) बिल्कुल अनुचित है
- (4) आंशिक रूप से उचित है

**110.** उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने को प्रभावित करता है

- (1) बच्चों द्वारा किया जाने वाला सुलेख
- (2) शिक्षक द्वारा ली गई लिखित परीक्षा
- (3) भाषा सम्बन्धी गृहकार्य
- (4) शिक्षक का भाषा शिक्षण सम्बन्धी रवैया

**111.** जो बच्चे विशेष रूप से पढ़ने में कठिनाई महसूस करते हैं, वे

- (1) डिस्ग्राफिया से ग्रस्त होते हैं
- (2) डिस्लेक्सिया से ग्रस्त होते हैं
- (3) सीखने में अक्षम होते हैं
- (4) मंदबुद्धि होते हैं

**112.** भाषा-अर्जन में बच्चे भाषा को

- (1) सहज और स्वाभाविक रूप से सीखते हैं
- (2) स्वाभाविक और प्रयासपूर्ण तरीके से सीखते हैं
- (3) सहजता और अभ्यास से सीखते हैं
- (4) अभ्यास और यांत्रिकता से सीखते हैं

**113.** उच्च प्राथमिक स्तर पर बहुभाषिक कक्षा में बच्चों की भाषा/भाषाएँ

- (1) एक संसाधन है/हैं
- (2) एक पहेली है/हैं
- (3) एक जटिल चुनौती है/हैं
- (4) एक कठिन समस्या है/हैं

114. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा की समावेशी कक्षा का स्वरूप निर्धारित करने में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है

- (1) अभ्यास कार्य
- (2) आकलन
- (3) पाठ्य-पुस्तक
- (4) शिक्षण प्रक्रिया

115. भाषा सीखने में सामाजिक अन्तःक्रिया का महत्वपूर्ण स्थान है। इस कथन का सम्बन्ध \_\_\_\_\_ से है।

- (1) स्किनर
- (2) वाइगोत्स्की
- (3) पियाज़े
- (4) चॉम्स्की

116. हिन्दी भाषा की बारीकी को सही रूप में समझने की क्षमता का विकास करने के लिए आप क्या करेंगे ?

- (1) हिन्दी भाषा के विभिन्न प्रयोगों से युक्त सामग्री उपलब्ध कराना
- (2) हिन्दी भाषा के प्राचीनतम प्रयोगों से युक्त सामग्री उपलब्ध कराना
- (3) गूढ़ अर्थ वाली भाषा से युक्त सामग्री पढ़वाना
- (4) संस्कृतनिष्ठ हिन्दी भाषा से युक्त सामग्री उपलब्ध कराना

117. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा-शिक्षण के लिए क्या अपेक्षित नहीं है ?

- (1) स्वाध्यायशीलता का विकास
- (2) भाषा-प्रयोग की क्षमता का विकास
- (3) चिंतनशीलता का विकास
- (4) सुनकर शब्दशः दोहराने की क्षमता का विकास

118. हिन्दी भाषा शिक्षक के रूप में आप किसे सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं ?

- (1) बच्चों की लेखन-क्षमता का विकास करना
- (2) बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास करना
- (3) बच्चों को व्याकरण के नियम सिखाना
- (4) बच्चों को विभिन्न सन्दर्भों में भाषा-प्रयोग सिखाना

119. सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली रूबी कक्षा में सबसे पहले अपना कार्य समाप्त कर लेती है। हिन्दी भाषा शिक्षक के रूप में आप क्या करेंगे ?

- (1) रूबी को दूसरे बच्चों के कार्य की जाँच का एकमात्र अधिकारी बताएँगे
- (2) रूबी को उसकी पसंद का कार्य करने के लिए कहेंगे
- (3) रूबी से शान्त बैठने के लिए कहेंगे
- (4) रूबी की दूसरों से तुलना करेंगे

120. उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा-शिक्षण में सर्वोपरि महत्वपूर्ण सामग्री है

- (1) अभ्यास-पत्रक
- (2) अभ्यास पुस्तिका
- (3) बाल साहित्य
- (4) पाठ्य-पुस्तक



Candidates should answer questions from the following Part only if they have opted for **ENGLISH** as **LANGUAGE - II**.

परीक्षार्थी निम्नलिखित भाग के प्रश्नों के उत्तर केवल तभी दें यदि उन्होंने **भाषा - II** का विकल्प अंग्रेज़ी चुना हो ।

## PART V LANGUAGE II ENGLISH

**Directions :** Read the passage given below and answer the questions that follow (Q. No. 121 to 129) by selecting the **most appropriate** option.

The nation is proud of its scientists and scholars, though, of course, many of them would reply that they doubt whether the nation cares for them at all. When asked why many of our best and brightest have gone abroad to make a living, they opine that this is because as a nation we have not cared for the talented and meritorious.

There is some truth in what they say. However, by and large, compared to the situation before independence, government assistance has provided a tremendous opportunity for higher education. If today Indian scientists, technologists and scholars in different fields are respected worldwide, it is because of the education system we have built up.

Our excellence is evident within the confines of the limited opportunities which are available for research and development in the universities and the national R&D laboratories. We believe and appeal that scientists, researchers and scholars should shed their pessimism. There are many reasons for it.

We know the problems they face, especially the younger ones, and also those who are not in positions of power in these institutions, the so-called middle levels and the lower levels. We appeal to these people to think big, because they are the only ones who understand the forces of technological modernization and the new energies that can be unleashed through technologies. They also have the capability to absorb the knowledge base which is growing at an explosive rate.

121. What is ironic about our pride in our scientists ?

- (1) They go abroad to make a living.
- (2) They are held in high esteem.
- (3) The nation cares for them.
- (4) They are talented and meritorious.

122. What happens to our best scientists ?

- (1) They get government grants.
- (2) They start teaching in colleges.
- (3) They start doing research.
- (4) They don't get respectable jobs here.

123. After independence how has the situation changed in India ?

- (1) The government is sending scientists abroad.
- (2) Foreign scholars are teaching in our universities.
- (3) The scientists are given Padma awards.
- (4) Our system of higher education has improved a lot.

124. Our scientists have proved to be excellent even if \_\_\_\_\_.

- (1) we have excellent research centres
- (2) we pay them well
- (3) we offer them limited opportunities
- (4) we offer them excellent opportunities



125. The writer wants our scientists to \_\_\_\_\_.

- (1) go abroad to make a living
- (2) be optimistic in their attitude
- (3) become part of the scientific community
- (4) be pessimistic in their approach

126. Which one of the following is true ?

- (1) Our scientists are respected all over the world.
- (2) We have the best research facilities in India.
- (3) We care for our scientists.
- (4) Our scientists are not talented.

127. The writer makes an appeal to \_\_\_\_\_.

- (1) neither the middle nor lower level scientists
- (2) both the middle and lower level scientists
- (3) the middle level scientists only
- (4) the lower level scientists only

128. The phrase, 'at an explosive rate' means \_\_\_\_\_.

- (1) at an abnormal speed
- (2) at normal speed
- (3) at a great speed
- (4) with the help of an explosion

129. The word opposite in meaning to 'unleashed' is \_\_\_\_\_.

- (1) controlled
- (2) unfastened
- (3) inexpensive
- (4) uncontrolled

**Directions :** Read the passage given below and answer the questions that follow (Q. No. 130 to 135) by selecting the **most appropriate** option.

My heart grieved when I read the other day a news item that more than two-thirds of the elderly are being ignored in their twilight years. They are isolated by their own children and are experiencing loneliness in their present lives. Most of them say they are not being respected or given good treatment by their family or society, and they are being discriminated against in their old age. Majority of the elderly attributed their loneliness to no or little interaction with family members. With fast changing socio-economic scenarios, growing nuclear families and changing value systems, the needs of the elderly have also changed. The most common problems that the elderly face are — marginalization, lack of love and affection from their loved ones, little or no access to medicines and healthcare, finding it difficult to secure their life and property. They have no work opportunities as a result of which they face financial problems. They suffer from restricted mobility and have psychological problems on account of loneliness.

To improve the situation for the elderly, the Government of India may consider enacting a law like many other countries have, to make it compulsory for children to maintain and look after their parents and also establish the National Commission for Elderly Persons. At the same time, the fact remains that the real compulsion has to come out of the bonds of affection between parents and children. We would not be wrong in saying that in India the joint-family system has made a powerful contribution in cementing the bonds of affection between the old and the young.



130. The twilight years are when one is \_\_\_\_\_.

- (1) middle-aged
- (2) old
- (3) a child
- (4) a young man

131. The elderly do **not** feel \_\_\_\_\_.

- (1) respected
- (2) discriminated against
- (3) lonely
- (4) ignored

132. What the elderly do not lack \_\_\_\_\_.

- (1) is security of life and property
- (2) is loneliness in their lives
- (3) are love and affection
- (4) are medicines and healthcare

133. Only \_\_\_\_\_ can keep the old united with the family.

- (1) courts
- (2) social compulsions
- (3) joint-family system
- (4) government rules

134. Which of the following is **false** ?

- (1) The old love to live in extended families.
- (2) The old are not very mobile.
- (3) One's needs change when one gets old.
- (4) Most old people are financially secure.

135. Which word in the passage means the same as 'saddened' ?

- (1) isolated
- (2) restricted
- (3) grieved
- (4) ignored

**Directions :** Answer the following questions by selecting the **most appropriate** option.

136. For process writing, which one of the following points should be followed ?

- (1) Use of personal pronouns
- (2) Word limit
- (3) Logical sequence
- (4) Organisation of points

137. Problems of spelling errors of the students can be easily solved through \_\_\_\_\_.

- (1) dictionary
- (2) dictation
- (3) teaching aids
- (4) textbooks

138. \_\_\_\_\_ is a prerequisite to learning language.

- (1) Motivation
- (2) Knowing words and their meanings
- (3) Knowledge of grammar
- (4) Reading stories

139. Cognitive Code Approach focuses more \_\_\_\_\_.

- (1) vocabulary
- (2) spelling
- (3) grammar rules
- (4) pronunciation

140. According to which one of the following linguists, language cannot be sub standard or may be non standard ?

- (1) William Labov
- (2) Stephen Krashen
- (3) Chomsky
- (4) Basil Bernstein

141. Which one of the following is **not** a language component ?

- (1) Structure
- (2) Script
- (3) Vocabulary
- (4) Sound

142. Decoding stands for \_\_\_\_\_.

- (1) deciphering the sounds in words and sentences
- (2) only recognising the difference between sounds
- (3) failure to understand the given text
- (4) passing on a message to others

143. In order to improve the learners' pronunciation, a teacher first needs to \_\_\_\_\_.

- (1) use recorded model of sounds
- (2) show the documentary/films of the target language
- (3) ask them to read more
- (4) do pronunciation drills

144. Intensive reading stands for \_\_\_\_\_.

- (1) reading for enrichment of vocabulary
- (2) reading for developing literary sensitivity
- (3) reading the text in parts for details
- (4) reading for pleasure

145. Scanning is a reading activity which helps the learners to \_\_\_\_\_ from/of the text.

- (1) draw out information
- (2) develop competence in the linguistic items
- (3) know the meanings of the words
- (4) enrich the vocabulary

146. A good listener can \_\_\_\_\_.

- (1) correctly respond to every question asked
- (2) pronounce each and every word correctly
- (3) understand how to spell a word
- (4) recognize how intonation is used

147. Constructivist approach to language learning promotes \_\_\_\_\_.

- (1) a child-centred approach
- (2) a teacher-centred approach
- (3) culture of silence
- (4) classroom noise

148. \_\_\_\_\_ is the father of modern linguistics.

- (1) Bloomsfield
- (2) Chomsky
- (3) Chaucer
- (4) Ferdinand de Saussure

149. A phoneme is a \_\_\_\_\_.

- (1) technique to improve pronunciation
- (2) sound pattern
- (3) lexical item
- (4) single sound unit

150. In order to have language proficiency, which one is **not** essentially required ?

- (1) Efficiency
- (2) Appropriacy
- (3) Accuracy
- (4) Fluency



Candidates should answer questions from the following Part only if they have opted for HINDI as LANGUAGE - II.

परीक्षार्थी निम्नलिखित भाग के प्रश्नों के उत्तर केवल तभी दें यदि उन्होंने भाषा - II का विकल्प हिन्दी चुना हो ।

## भाग V

## भाषा II

## हिन्दी

**निर्देश :** नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र.सं. 121 से 129) में **सबसे उचित विकल्प** चुनिए।

स्वामी विवेकानन्द जी एक ऐसे संत थे जिनका रोम-रोम राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत था। उनके सारे चिन्तन का केन्द्रबिन्दु राष्ट्र था। अपने राष्ट्र की प्रगति एवं उत्थान के लिए जितना चिन्तन एवं कर्म इस तेजस्वी संन्यासी ने किया उतना पूर्ण समर्पित राजनीतिज्ञों ने भी सम्भवतः नहीं किया। अन्तर यह है कि इन्होंने सीधे राजनीतिक धारा में भाग नहीं लिया किन्तु इनके कर्म एवं चिन्तन की प्रेरणा से हजारों ऐसे कार्यकर्त्ता तैयार हुए जिन्होंने राष्ट्र-रथ को आगे बढ़ाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

इन्होंने निजी मुक्ति को जीवन का लक्ष्य नहीं बनाया था बल्कि करोड़ों देशवासियों के उत्थान को ही अपना जीवन-लक्ष्य बनाया। राष्ट्र के दीन-हीन जनों की सेवा को ही वे ईश्वर की सच्ची पूजा मानते थे। सत्य की अनवरत खोज उन्हें दक्षिणेश्वर के संत श्री रामकृष्ण परमहंस तक ले गई और परमहंस ही वह सच्चे गुरु सिद्ध हुए जिनका सान्निध्य पाकर इनकी ज्ञान-पिपासा शांत हुई। उन्तालीस वर्ष के संक्षिप्त जीवनकाल में स्वामी जी जो कार्य कर गए वे आने वाली अनेक शताब्दियों तक पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

तीस वर्ष की आयु में इन्होंने शिकागो, अमेरिका के विश्व धर्म-सम्मेलन में हिन्दू धर्म का प्रतिनिधित्व किया और इसे सार्वभौमिक पहचान दिलवायी। तीन वर्ष तक वे अमेरिका में रहे और वहाँ के लोगों को भारतीय तत्त्व-ज्ञान की अद्भुति ज्योति प्रदान की। “अध्यात्म-विद्या और भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जाएगा” यह स्वामी जी का दृढ़ विश्वास था।

वे केवल संत ही नहीं, एक महान देशभक्त, वक्ता, विचारक, लेखक और मानव-प्रेमी भी थे। अमेरिका से लौटकर उन्होंने आज़ादी की लड़ाई में योगदान देने के लिए देशवासियों का आह्वान किया और जनता ने स्वामी जी की पुकार का उत्तर दिया। गाँधी जी को आज़ादी की लड़ाई में जो जन-समर्थन मिला था, वह स्वामी जी के आह्वान का ही फल था। उन्नीसवीं सदी के आखिरी दौर में वे लगभग सशक्त क्रांति के जरिए भी देश को आज़ाद कराना चाहते थे। परन्तु उन्हें जल्द ही यह विश्वास हो गया था कि परिस्थितियाँ उन इरादों के लिए अभी

परिपक्व नहीं हैं। इसके बाद ही उन्होंने एक परिव्राजक के रूप में भारत और दुनिया को खंगाल डाला।

स्वामी जी इस बात से आश्वस्त थे कि धरती की गोद में यदि कोई ऐसा देश है जिसने मनुष्य की हर तरह की बेहतरी के लिए ईमानदार कोशिशें की हैं, तो वह भारत ही है। उनकी दृष्टि में हिन्दू धर्म के सर्वश्रेष्ठ चिन्तकों के विचारों का निचोड़ पूरी दुनिया के लिए अब भी आश्चर्य का विषय है। स्वामी जी ने संकेत दिया था कि विदेशों में भौतिक समृद्धि तो है और उसकी भारत को ज़रूरत भी है लेकिन हमें याचक नहीं बनना चाहिए। हमारे पास उससे ज़्यादा बहुत कुछ है जो हम पश्चिम को दे सकते हैं और पश्चिम को उसकी बेसाख्ता ज़रूरत है।

**121.** निम्नलिखित में से कौन-सा स्वामी विवेकानन्द जी के चिन्तन का सबसे प्रमुख बिन्दु था ?

- (1) आध्यात्मिक विकास
- (2) आत्मिक विकास
- (3) राष्ट्र का विकास
- (4) जन-जन की प्रगति

**122.** स्वामी विवेकानन्द जी का शिकागो विश्व धर्म-सम्मेलन में भाग लेने का उद्देश्य था

- (1) हिन्दू धर्म में निहित तत्त्व-ज्ञान से विश्व को परिचित कराना
- (2) स्वयं को हिन्दू धर्म के सर्वश्रेष्ठ प्रचारक के रूप में प्रतिष्ठापित करना
- (3) हिन्दू धर्म का प्रचार-प्रसार करना
- (4) हिन्दू धर्म को अन्य धर्मों की तुलना में श्रेष्ठ सिद्ध करना

**123.** निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा उर्दू भाषा का है ?

- (1) खंगाल
- (2) रोम-रोम
- (3) बेसाख्ता
- (4) राष्ट्र



124. "गाँधी जी को आज़ादी की लड़ाई में जो जन-समर्थन मिला था, वह स्वामी विवेकानन्द जी के आह्वान का फल था ।" निम्नलिखित में से कौन-सा कथन इसके भाव को सही रूप में व्यक्त करता है ?

- (1) आज़ादी की लड़ाई में गाँधी जी को जो समर्थन मिला उसकी नींव स्वामी विवेकानन्द जी ने ही रखी थी ।
- (2) आज़ादी की लड़ाई में स्वामी विवेकानन्द जी गाँधी जी की सहायता करना चाहते थे ।
- (3) स्वामी विवेकानन्द जी में जनता को जागृत करने की क्षमता गाँधी जी से अधिक थी ।
- (4) यदि स्वामी जी ने प्रयास न किया होता तो गाँधी जी को इतना अधिक जन-समर्थन प्राप्त नहीं होता ।

125. 'राष्ट्रभक्ति' में प्रयुक्त समास है

- (1) कर्म तत्पुरुष
- (2) करण तत्पुरुष
- (3) सम्प्रदान तत्पुरुष
- (4) सम्बन्ध तत्पुरुष

126. मनुष्य की बढ़ोतरी के लिए ईमानदार कोशिश की है । वाक्य में रेखांकित किए गए विशेषण का उपभेद बताइए ।

- (1) अवस्था बोधक
- (2) स्थिति बोधक
- (3) दशा बोधक
- (4) गुण बोधक

127. 'परिपक्व' की भाववाचक संज्ञा है

- (1) परिपक्वता
- (2) परिपूर्ण
- (3) परिपक्वन
- (4) परिपूर्णता

128. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'सान्निध्य' का समानार्थक है ?

- (1) समर्पण
- (2) सन्निपात
- (3) सर्वाधिक
- (4) समीपता

129. निम्नलिखित में से कौन-सा 'देशज' शब्द है ?

- (1) खंगाल
- (2) ज़रूरत
- (3) सम्भवतः
- (4) नीति

**निर्देश :** नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र.सं. 130 से 135) में सबसे उचित विकल्प चुनिए ।

हमारे विशाल देश में हिमालय की अनन्त हिमराशि वाले ग्लेशियरों ने जिन नदियों को जन्म दिया है, उनमें गंगा और यमुना नाम की नदियाँ हमारे जीवन की धमनियों की तरह रही हैं । उनकी गोद में हमारे पूर्वजों ने सभ्यता के प्रांगण में अनेक नए खेल खेले । उनके तटों पर जीवन का जो प्रवाह प्रचलित हुआ, वह आज तक हमारे भूत और भावी जीवन को सींच रहा है । भारत हमारा देश है और हम उसके नागरिक हैं यह एक सच्चाई हमारे रोम-रोम में बिंधी हुई है । नदियों की अन्तर्वेदी में पनपने वाले आदि युग के जीवन पर हम अब जितना अधिक विचार करते हैं हमको अपने विकास और वृद्धि की सनातन जड़ों का पृथ्वी के साथ सम्बन्ध उतना ही अधिक घनिष्ठ जान पड़ता है । हमारे धार्मिक पर्वों पर लाखों लोग नदी और जलाशयों के तटों पर एकत्र होते हैं । पृथ्वी के एक-एक जलाशय और सरोवर को भारतीय भावना ने ठीक प्रकार से समझने का प्रयत्न किया, उनके साथ सौहार्द का भाव उत्पन्न किया जो हर एक पीढ़ी के साथ नए रूप में बँधा रहा । किन्तु आज स्थिति बड़ी विचित्र और एक सीमा तक चिन्ताजनक हो गई है । हमारी औद्योगिक क्रांति ने इन्हें प्रदूषित कर विषैला बना दिया है । जीवनदायिनी नदियाँ आज प्राणघातिनी होती जा रही हैं । मिल-बैठकर सोचने की आवश्यकता है कि क्या करें कि ये पुनः जीवनदायिनी हों । और उन सोची हुई योजनाओं को अमल में लाने की भी आवश्यकता है ।

130. गंगा-यमुना को जल कहाँ से मिलता है ?

- (1) अनन्त जलराशि से
- (2) ग्लेशियरों से
- (3) हिमालय से
- (4) मानसरोवर से

131. लेखक के अनुसार हमारी सभ्यता का जन्म हुआ है

- (1) नदियों की गोद में
- (2) प्रकृति के प्रांगण में
- (3) हिमालय में
- (4) गंगा-यमुना में

132. स्थिति चिन्ताजनक क्यों हो गई है ?

- (1) नदियाँ कम हो गई हैं।
- (2) नदियाँ बाढ़ लाने लगी हैं।
- (3) नदियाँ प्रदूषित हो गई हैं।
- (4) नदियाँ वेग से बहने लगी हैं।

133. 'जीवनदायिनी' का विलोम है

- (1) प्राणघातिनी
- (2) प्राणांतक वाहिनी
- (3) जीवप्रदायिनी
- (4) अजीवनदायिनी

134. 'औद्योगिक' शब्द का मूल शब्द है

- (1) उद्योग
- (2) उद्योग
- (3) योगिक
- (4) औद्योग

135. जिसका कोई अन्त न हो उसे कहते हैं

- (1) आनंद
- (2) अखंड
- (3) असीम
- (4) अनंत

निर्देश : नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सबसे उचित विकल्प चुनिए।

136. 'पोर्टफोलियो' के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही है ?

- (1) इससे बच्चों को लिखित कार्य करने की आदत पड़ जाती है।
- (2) इससे बच्चों की क्रमिक प्रगति के बारे में पता चलता है।
- (3) बच्चों के कार्य को एक जगह संकलित करना प्रमुख उद्देश्य है।
- (4) इससे शिक्षक के समय की बचत होती है।

137. हिन्दी भाषा में सतत और व्यापक आकलन का मुख्य उद्देश्य है

- (1) बच्चों की लिखित परीक्षा लेना
- (2) बच्चों का एक से अधिक बार परीक्षण करना
- (3) बच्चों द्वारा की गई त्रुटियों की पहचान करना
- (4) बच्चों की भाषा-प्रयोग सम्बन्धी क्षमता के विकास में मदद करना

138. भाषा हमारे/हमारी \_\_\_\_\_ को व्यवस्थित करती है।

- (1) व्याकरणिक चेतना
- (2) विचार-प्रक्रिया
- (3) सामाजिक व्यवहार
- (4) खेल-क्रिया

139. भाषा हमें \_\_\_\_\_ व \_\_\_\_\_ की अनखोजी दुनिया में ले जाती है।

- (1) समाज, कल्पना
- (2) कल्पना, विज्ञान
- (3) ज्ञान, कल्पना
- (4) ज्ञान, समाज

140. जिन बच्चों को लिखने में कठिनाई का अनुभव होता है, वे बच्चे \_\_\_\_\_ से ग्रस्त हो सकते हैं।

- (1) डिस्ग्राफिया
- (2) डिस्केलकुलिया
- (3) मंदबुद्धि
- (4) डिस्लेक्सिया



141. हिन्दी भाषा की कक्षा में

- (1) सभी बच्चे समान रूप से हिन्दी सीखते हैं ।
- (2) सभी बच्चे समान रूप से हिन्दी बोलते हैं ।
- (3) सभी बच्चे एक ही भाषा के होते हैं ।
- (4) सभी बच्चे एक ही भाषा के नहीं होते ।

142. बहुभाषिक कक्षा की आवश्यकताओं को सम्बोधित करने में सर्वाधिक सहायक है

- (1) विविध स्वरूपी लिखित परीक्षाएँ
- (2) एक से अधिक बार भाषायी आकलन
- (3) एक से अधिक पाठ्य-पुस्तक
- (4) विविध स्वरूपी पाठ्य-सामग्री

143. व्याकरण-शिक्षण के सन्दर्भ में आपका बल किस बिन्दु पर होगा ?

- (1) व्याकरण के नियमों की सैद्धान्तिक विवेचना पर
- (2) व्याकरणिक कोटियों की पहचान पर
- (3) व्याकरणिक नियमों को कंठस्थ करने पर
- (4) व्याकरण के व्यावहारिक पक्ष पर

144. उच्च प्राथमिक स्तर पर पाठ्य-पुस्तकों को न केवल विषय-वस्तुओं के लिए स्थान उपलब्ध करवाना चाहिए बल्कि

- (1) मानक हिन्दी के लिए ही स्थान उपलब्ध करवाना चाहिए
- (2) विविध भाषाओं के लिए भी स्थान उपलब्ध करवाना चाहिए
- (3) व्याकरण पर भी अत्यंत बल देना चाहिए
- (4) मानक भाषा के प्रयोग पर अत्यंत बल देना चाहिए

145. त्रिभाषा सूत्र में हिन्दी का स्थान

- (1) राजभाषा के रूप में है ।
- (2) सह राजभाषा के रूप में है ।
- (3) राष्ट्रभाषा के रूप में है ।
- (4) शास्त्रीय भाषा के रूप में है ।

146. भाषा और लिपि के सन्दर्भ में कौन-सा कथन सही है ?

- (1) एक भाषा विशेष को एक लिपि विशेष में ही लिखा जा सकता है ।
- (2) भाषा की समृद्धि के लिए केवल लिपि ही उत्तरदायी है ।
- (3) किसी भी भाषा को किसी भी लिपि में लिखा जा सकता है ।
- (4) प्रत्येक भाषा की एक निश्चित लिपि होती है ।

147. वाङ्मोत्सकी ने भाषा-विकास के सन्दर्भ में किस बिन्दु पर सबसे अधिक बल दिया है ?

- (1) सामाजिक अंतःक्रिया पर
- (2) अनुकरण पर
- (3) मस्तिष्क पर
- (4) पाठ्य-पुस्तक पर

148. हिन्दी भाषा की पाठ्य-पुस्तक के माध्यम से

- (1) भाषा-नियमों की जानकारी मिलती है
- (2) भाषा एवं सामाजिक विमर्श को भी बढ़ावा मिलता है
- (3) भाषा ही सीखी जा सकती है
- (4) साहित्यिक विधाओं की जानकारी मिलती है

149. सामाजिक व्यवहार के \_\_\_\_\_ व सांस्कृतिक पैटर्न (नमूने) अवचेतन स्तर पर ग्रहण किए जाते हैं ।

- (1) आर्थिक
- (2) राजनैतिक
- (3) भाषिक
- (4) व्यावहारिक

150. प्रत्येक भाषा की पृष्ठभूमि में अवस्थित भाषिक-व्यवस्था ही \_\_\_\_\_ और कार्यक्रमों को गढ़ती है तथा व्यक्ति के मानसिक क्रियाकलाप के लिए निर्देशन का कार्य करती है ।

- (1) मर्यादाओं
- (2) सामाजिक
- (3) चुनौतियों
- (4) धारणाओं





**READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :**

1. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with Blue/Black Ball Point Pen on Side-2 of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
2. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
3. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
4. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
5. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
6. Each candidate must show on demand his/her Admission Card to the Invigilator.
7. No candidate, without special permission of the Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
8. The candidates should not leave the Examination Hall without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet a second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left-hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
9. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
10. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
11. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
12. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room/Hall. The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.**

**निम्नलिखित निर्देश ध्यान से पढ़ें :**

1. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह नीले/काले बॉल पॉइंट पेन से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
2. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
3. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
4. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाज़िरी-पत्र में लिखें।
5. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश कार्ड के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
6. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-कार्ड दिखाएँ।
7. अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
8. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं हाज़िरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाज़िरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अँगूठे का निशान हाज़िरी-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।
9. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
10. परीक्षा-हॉल में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
11. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें।
12. परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष/हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र कक्ष-निरीक्षक को अवश्य सौंप दें। परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।